इंडिया स्टैक

संदर्भ: भारत तथा त्रिनिदाद और टोबैगो ने इंडिया स्टैक साझा करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

- इंडिया स्टैक में खुले एपीआई और डिजिटल सार्वजनिक सामान शामिल हैं जो बड़े पैमाने पर पहचान, डेटा और भुगतान सेवाओं की सुविधा प्रदान करते हैं।

त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ सहयोग

- भारत तथा त्रिनिदाद और टोबैगो ने इंडिया स्टैक साझा करने पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।
- सहयोग का उद्देश्य क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देना है।

इंडिया स्टैक के लाभ

- इंडिया स्टैक उन देशों के लिए तेजी से डिजिटलीकरण को सक्षम बनाता है जो पिछड़ गए हैं, परन्तु अर्थव्यवस्थाओं और शासन में बदलाव ला रहे हैं।
- यह पेशकश पीएम मोदी द्वारा प्रचारित वसुधैव कुटुंबकम (दुनिया एक परिवार है) के सिद्धांत के अनुरूप है।

पारिस्थितिकी तंत्र और नवाचार

- इंडिया स्टैक को अपनाने से स्टार्टअप, डेवलपर्स और सिस्टम इंटीग्रेटर्स से जुड़े एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलेगा, जो अगली पीढ़ी के नवाचारों को आगे बढ़ाएगा।

वैश्विक विस्तार और स्वीकृति

- भारत ने पहले ही इंडिया स्टैक साझा करने के लिए आर्मेनिया, सिएरा लियोन, सूरीनाम, एंटीगुआ और बारबुडा जैसे देशों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- मॉरीशस और सऊदी अरब जैसे देश सहयोग समझौतों को अंतिम रूप देने के चरण में है।
- पापुआ न्यू गिनी ने हाल ही में इसी तरह के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो इस पहल में वैश्विक रुचि को प्रकट करता है।
- यूपीआई, इंडिया स्टैक का एक घटक है जिसे, फ्रांस, यूएई, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे देशों में स्वीकार किया गया है।

त्रिनिदाद और टोबैगो

- **त्रिनिदाद और टोबैगो**: सबसे दक्षिणी कैरेबियाई द्वीप देश, जिसमें मुख्य द्वीप और छोटे द्वीप शामिल हैं।
- **स्थान**: वेनेज़ुएला के तट से 11 किमी, ग्रेनेडा से 130 किमी दक्षिण; समुद्री सीमाएँ साझा करता है।
- **ऐतिहासिक यात्रा**: स्वदेशी बस्ती, एक स्पेनिश उपनिवेश, ब्रिटिश शासन, 1962 में स्वतंत्रता और 1976 में एक गणतंत्र बना।
- **आर्थिक स्थिति:** अमेरिका में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का 5वां उच्चतम स्तर, विश्व बैंक द्वारा उच्च आय के रूप में मान्यता प्राप्त।
- **औद्योगिक अर्थव्यवस्था**: पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल्स पर जोर; तेल और प्राकृतिक गैस भंडार से प्राप्त धन।

मानवरहित हवाई प्रणाली सामान्य परीक्षण केंद्र

संदर्भ: तमिलनाडु में भारत का पहला मानवरहित हवाई प्रणाली सामान्य परीक्षण केंद्र स्थापित किया जायेगा।

- मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएएस) में विमान और संबंधित गियर शामिल हैं जो पायलटों के बिना संचालित होते हैं और रिमोट कंट्रोल या स्वायत्त प्रोग्रामिंग के माध्यम से उड़ान भर सकते हैं।
- यूएएस कॉमन टेस्टिंग सेंटर तमिलनाडु में श्रीपेरंबुदूर के पास एसआईपीसीओटी औद्योगिक पार्क, वल्लम वडागल में स्थित होगा।
- यह केंद्र रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना (डीटीआईएस) के अंतर्गत आता है।
- केंद्र का उद्देश्य एयरोस्पेस और रक्षा में देश की आत्मनिर्भरता में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में तमिलनाडु की भूमिका को बढ़ाना है।
- तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारे (TNDIC) की स्थापना की देखरेख के लिए तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम (TIDCO) जिम्मेदार एजेंसी है।
- टीएनडीआईसी के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में, एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा रहा है, जिसमें एयरोस्पेस और रक्षा उद्योग के लिए तैयार किए गए सामान्य परीक्षण केंद्र शामिल हैं।

Category	Nano (up to 250 gm)	Micro (>250g to < 2kg)	Mini (>2kg to <25 kg)	Small (>25 kg to <150 kg)	Large (>150 kg)
Unique identification number (UIN)	NO	YES	YES	YES	YES
Unmanned Aircraft Operator Permit (UAOP)	NO	YES	YES	YES	YES
Estimated approval time	NO	2 days	2-7 days	2-7 days	2-7 days
Height (AGL) allowed to fly	50 feet	200 feet	200 feet	200 feet	200 feet
Visual Line-Of-Sight operations	YES	YES	YES	YES	YES
Local police permission	YES	YES	YES	YES	YES
Flight plan and ADC	NO	NO	YES	YES	YES

रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना (डीटीआईएस):

- **उद्देश्य:** घरेलू रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाना।
- **आरंभ:** मई 2020 में लॉन्च किया गया।
- **निरीक्षण:** रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के नेतृत्व में।
- **अवधि:** 5 वर्ष की अवधि के लिए निर्धारित।
- **दायरा:** एयरोस्पेस और रक्षा उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण 6-8 नई रक्षा परीक्षण बुनियादी सुविधाएं स्थापित करने का लक्ष्य है।
- **फंडिंग**: यह एक वित्तपोषण संरचना का पालन करता है जहां 75% 'अनुदान-सहायता' तंत्र के माध्यम से सरकारी फंडिंग के रूप में प्रदान किया जाता है, जबकि शेष 25% विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के घटकों द्वारा साझा किया जाता है।

कैनबिस

संदर्भ: जर्मनी की सरकार ने भांग की खरीद और रखने की अनुमति देने वाला एक मसौदा कानून पारित किया। जिसके तहत वयस्क 25 ग्राम भांग ले सकते हैं और व्यक्तिगत रूप से 3 पौधे तक उगा सकते हैं।

यह क्या है?

- यह एक सामान्य वाक्यांश है जिसमें कैनाबिस सैटिवा पौधे के विभिन्न मोनो-सक्रिय रूपों को शामिल किया गया है।
- टेट्राहाइड्रोकैनाबिनॉल (THC) प्राथमिक मोनो-सक्रिय तत्व है; समान यौगिकों को कैनाबिनोइड्स के रूप में जाना जाता है।
- 'मारिजुआना', एक मैक्सिकन शब्द है, जो कैनबिस की पत्तियों और पौधों से संबंधित है।
- मारिजुआना का सबसे अधिक उपयोग संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, जाम्बिया और नाइजीरिया में देखा गया है।
- मारिजुआना का प्रभाव दो से छह घंटे तक रह सकता है।

भारत में वैधता

- मारिजुआना नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 (एनडीपीएस एक्ट) के अंतर्गत अवैध है।
- भारत ने 1985 में नारकोटिक ड्रग्स पर एकल कन्वेंशन (एससीएनडी) 1961 को अपनाया, जिसमें इसे हेरोइन जैसी दवाओं के साथ वर्गीकृत किया गया है।
- जबकि भांग की बिक्री की अनुमति है, असम, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया (गुजरात ने बाद में 2017 में इसे अपराधमुक्त कर दिया)।
- राष्ट्रव्यापी, कैनबिस राल और फूलों की बिक्री और उत्पादन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है; राज्य भांग की पत्तियों और बीजों को नियंत्रित कर सकते हैं।
- पौधों की पत्तियों से बनी भांग को एनडीपीएस अधिनियम में निर्दिष्ट नहीं किया गया है।
- एक विशेष प्रावधान औद्योगिक या बागवानी उद्देश्यों के लिए भांग के पौधे की खेती की अनुमति देता है।

एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के अनुसार जुर्माना

- अधिनियम नशीली दवाओं और मनोदैहिक पदार्थों के सेवन को अपराध मानता है।
- मॉर्फिन, कोकीन, डायसेटाइल-मॉर्फिन या अन्य निर्दिष्ट दवाओं जैसे पदार्थों का उपयोग करने पर एक वर्ष तक का कठोर कारावास, बीस हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।
- सूचीबद्ध न किए गए मादक या मनोदैहिक पदार्थों के लिए सजा में छह महीने तक की कैद, दस हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों शामिल हैं।

उल्लेखनीय निर्णय

- **अर्जुन सिंह बनाम हरियाणा राज्य:** चंडीगढ़ उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि भांग, हालांकि भांग के पौधे से प्राप्त होती है, एनडीपीएस अधिनियम के तहत भांग (गांजा) से अलग है। भांग खाना जरूरी नहीं कि गैरकानूनी हो।
- **2019 - दिल्ली उच्च न्यायालय:** अदालत ने ग्रेट लीगलाइज़ेशन मूवमेंट इंडिया ट्रस्ट की याचिका पर विचार किया, जिसमें एनडीपीएस अधिनियम में कैनबिस प्रतिबंध पर सवाल उठाया गया था। आरोप लगाया कि प्रतिबंध मनमाने, अवैज्ञानिक और अनुचित हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

कालका-शिमला रेलवे

कालका-शिमला रेलवे के बारे में:

- **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल:** कालका-शिमला रेलवे को इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और इंजीनियरिंग महत्व के लिए वर्ष 2008 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था।
- **अवस्थिति:** यह उत्तर भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित है, जो कालका और शिमला शहरों को जोड़ता है।
- **निर्माण**: ब्रिटिश औपनिवेशिक युग के दौरान इस रेलवे का निर्माण 1898 और 1903 के बीच शिमला तक परिवहन लिंक प्रदान करने के लिए किया गया था, जो ब्रिटिश भारत की ग्रीष्मकालीन राजधानी थी।
- **नैरो-गेज लाइन:** रेलवे में एक नैरोगेज ट्रैक है, जो 2 फीट 6 इंच (762 मिमी) चौड़ा है। चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाके के कारण इस संकरे गेज को चुना गया था।
- **स्टेशन और सुरंगें:** इस मार्ग में 20 स्टेशन, 103 सुरंगें और लगभग 912 मोड़ हैं, जो उस समय के इंजीनियरिंग चमत्कार को प्रदर्शित करते हैं।
- **ऊंचाई:** यह रेलवे कालका में 2,152 फीट की ऊंचाई से शिमला में 4,656 फीट तक चढ़ती है, जो उस समय के लिए इंजीनियरिंग की एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी।
- **चुनौतियाँ**: यह मार्ग अपने पहाड़ी इलाके के कारण भूस्खलन, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक व्यवधानों सहित चुनौतियों का सामना करता है।

एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस

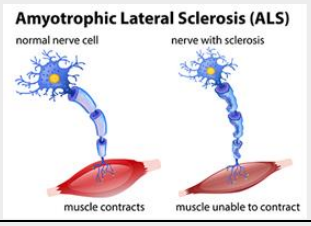

एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस क्या है?

- एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (ALS), जिसे लू गेहरिग्स रोग के रूप में भी जाना जाता है, एक प्रगतिशील न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार है जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में न्यूरॉन्स को प्रभावित करता है।
- **न्यूरॉन प्रभाव:** ALS न्यूरॉन्स को लक्षित करता है और चलने, बात करने और निगलने जैसी स्वैच्छिक गतिविधियों को नियंत्रित करता है।
- **मांसपेशी क्षय:** न्यूरॉन्स के अध:पतन से मांसपेशी क्षरित हो जाती है क्योंकि प्रभावित मांसपेशियां कार्य करने की क्षमता खो देती हैं।
- **संचार चुनौतियाँ:** यह विकार संचार गति में बाधा उत्पन्न कर सकती है, जिससे पलक झपकाने जैसे वैकल्पिक तरीकों की आवश्यकता हो सकती है।
- **श्वसन संबंधी जटिलताएँ:** मांसपेशियों के ख़राब होने से श्वसन संबंधी कठिनाइयाँ और विफलता का खतरा बढ़ जाता है।
- **ALS जागरूकता दिवस:** 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय ALS जागरूकता दिवस मनाया जाता है, जो इस विकार सम्बन्धी समझ और समर्थन को बढ़ावा देता है।

ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन/ ज़ेनोप्रत्यारोपण

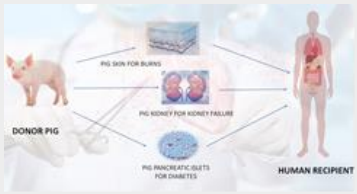

ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन क्या है?

- ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन से तात्पर्य एक प्रजाति, आमतौर पर जानवरों से अंगों, ऊतकों या कोशिकाओं को दूसरी प्रजाति, आमतौर पर मनुष्यों में प्रत्यारोपित करने की चिकित्सा पद्धति से है।
- **अंग की कमी का संकट:** प्रत्यारोपण के लिए उपलब्ध मानव अंगों की कमी के संभावित समाधान के रूप में ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन का पता लगाया गया है।
- **आनुवंशिक संशोधन में प्रगति:** जानवरों का आनुवंशिक संशोधन उन अंगों के निर्माण की अनुमति देता है जो मानव प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ अधिक अनुकूल हैं।
- **पशु अंग की उपयुक्तता:** मनुष्यों के साथ उनकी शारीरिक और आनुवंशिक समानता के कारण आमतौर पर सूअरों का उपयोग किया जाता है।
- **प्रतिरक्षा प्रणाली अनुकूलता:** अनुसंधान मानव प्राप्तकर्ताओं में प्रतिरक्षा प्रणाली अस्वीकृति के जोखिम को कम करने के लिए पशु अंगों को संशोधित करने पर केंद्रित है।
- **नैतिक विचार:** ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन मानव-पशु संपर्क, रोगों के संभावित संचरण और पशु कल्याण के बारे में नैतिक चिंताओं को बढ़ाता है।
- **भविष्य का दृष्टिकोण:** ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन अनुसंधान में निरंतर प्रगति से सफल पशु-से-मानव प्रत्यारोपण के लिए अधिक प्रभावी तरीकों और प्रोटोकॉल का विकास हो सकता है।

कला और सांस्कृतिक विरासत के लिए भारतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट (INTACH)

हाल ही में, INTACH ने विश्व विरासत दिवस मनाने के लिए ओल्ड पोर्ट क्षेत्र में एक हेरिटेज वॉक का आयोजन किया।

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज के बारे में:

- INTACH एक स्वायत्त भारतीय गैर-लाभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1984 में भारतीय संस्कृति और विरासत की सुरक्षा और संरक्षण के लिए की गई थी।
- **लक्ष्य:** INTACH का लक्ष्य भारत में विरासत जागरूकता और संरक्षण प्रयासों का नेतृत्व करना है।
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **व्यापक मिशन**: INTACH वास्तुकला, प्रकृति, परंपराओं, शिक्षा, शिल्प और अन्य सहित विभिन्न पहलुओं के माध्यम से विरासत की सुरक्षा और प्रचार करने का प्रयास करता है।
- **प्रभाग:** INTACH वास्तुकला, प्राकृतिक और भौतिक विरासत, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत, विरासत शिक्षा, शिल्प, सामुदायिक सेल, अध्याय, INTACH विरासत अकादमी, विरासत पर्यटन, लिस्टिंग सेल, पुस्तकालय और अभिलेखागार सहित विविध प्रभागों के माध्यम से कार्य करता है।
- **संरक्षण के प्रयास:** संगठन ऐतिहासिक स्थलों, इमारतों, कलाकृतियों और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न है।

WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेबियस ने विश्व स्तर पर देशों से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का लाभ उठाने का आह्वान किया।

पारंपरिक चिकित्सा के लिए WHO ग्लोबल सेंटर के बारे में:

- ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन का मुख्यालय जामनगर, गुजरात, भारत में है।
- **उद्देश्य:** केंद्र का प्राथमिक लक्ष्य वैश्विक स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देना है।
- **सहयोग की सुविधा:** यह पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में देशों और विशेषज्ञों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- **वैश्विक पहल:** यह समग्र स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण में योगदान करते हुए पारंपरिक चिकित्सा को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में एकीकृत करने की पहल का समर्थन करता है।
- **सहयोगात्मक परियोजनाएँ:** साझेदारी और सहयोग के माध्यम से, केंद्र आधुनिक और पारंपरिक दृष्टिकोण के संयोजन का उपयोग करके स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम करता है।
- **वैश्विक स्वास्थ्य रणनीति:** केंद्र के प्रयास डब्ल्यूएचओ की व्यापक वैश्विक स्वास्थ्य रणनीति के अनुरूप हैं, जिसमें स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में पारंपरिक चिकित्सा के मूल्य को पहचानना शामिल है।
- **वैश्विक शिखर सम्मेलन:** ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन ने जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के दौरान पारंपरिक चिकित्सा पर पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी की।

समाचारों में स्थान

टिटिकाका झील

हाल ही में, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण टिटिकाका झील में जल-स्तर में गिरावट देखी गई है।

- **राजनीतिक सीमाएँ:** पेरू (पश्चिम) और बोलीविया (पूर्व) के बीच स्थित, टिटिकाका झील दोनों देशों में फैली हुई है।
- **भौगोलिक स्थिति:** दक्षिण अमेरिका के एंडीज़ पर्वत में स्थित, अपनी उल्लेखनीय ऊँचाई वाली सेटिंग को प्रदर्शित करता है।
- **आकार:** टिटिकाका झील को दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील होने का गौरव प्राप्त है।
- **ऊंचाई:** समुद्र तल से 3,800 मीटर की ऊंचाई पर दुनिया के सबसे ऊंचे नौगम्य जल निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **मीठे पानी की श्रेष्ठता:** दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में सबसे बड़ी मीठे पानी की झील होने का गौरव प्राप्त है।
- **यूनेस्को मान्यता**: इसके सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्व को स्वीकार करते हुए वर्ष 2005 से यह यूनेस्को की विश्व धरोहर अस्थायी सूची में शामिल है।

प्रसिद्ध व्यक्तित्व

डॉ. वी.एस. अरुणाचलम

हाल ही में रक्षा मंत्री के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार और डीआरडीओ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वी. एस. अरुणाचलम का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

डॉ. वी.एस.अरुणाचलम के बारे में:

- **रक्षा अनुसंधान अग्रणी**: प्रसिद्ध वैज्ञानिक और इंजीनियर, रक्षा अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विख्यात।
- **नेतृत्व भूमिका:** रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और डीआरडीओ के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- **रणनीतिक कार्यक्रम:** एकीकृत मिसाइल विकास कार्यक्रम जैसी प्रमुख पहलों का नेतृत्व किया, जिसमें अग्नि, पृथ्वी, आकाश और नाग जैसी परियोजनाएं शामिल थीं।
- **विमान नवाचार:** हल्के लड़ाकू विमान (LCA) का विकास, भारत की विमानन प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।
- **प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता**: उन्नत प्रौद्योगिकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम पर विस्तारित कार्य योजना इसकी एक उल्लेखनीय विशेषता है।
- **प्रतिष्ठित मान्यता:** भारत के शीर्ष नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण से सम्मानित।
- **लाइफटाइम अचीवमेंट:** इन्हें उल्लेखनीय अनुसंधान और तकनीकी योगदान के लिए डीआरडीओ का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2015) प्राप्त हुआ है।
- **इंस्टीट्यूशन बिल्डर:** बौद्धिक विकास और नीति निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बेंगलुरु के CSTEP की स्थापना की।

POINTS TO PONDER

- **"नवरोज़" क्या है और यह भारत में कब मनाया जाता है**? - पारसी नव वर्ष, अगस्त में मनाया जाता है
- **1951 में कौन सा संस्थान भारत का पहला आईआईटी बना और इसका उद्घाटनकर्ता कौन था**? - आईआईटी खड़गपुर; उद्घाटन जवाहरलाल नेहरू ने किया
- **किस दिन अमेरिका ने महिलाओं को वोट देने का अधिकार देने वाले 19वें संशोधन को मंजूरी दी और किस राज्य की मंजूरी ने इसे सक्षम बनाया**? -18 अगस्त; टेनेसी
- **12 और 18 अगस्त, 1977 को आसफ हॉल द्वारा किस ग्रह के दो चंद्रमा खोजे गए थे**? - मंगल
- **"ऑपरेंट कंडीशनिंग के जनक" के रूप में किसे जाना जाता है और प्रयोगात्मक मनोविज्ञान में योगदान दिया है**? - बी.एफ. ट्रैक्टर